अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट टर्म – II परीक्षा, 2022
अंक-योजना
हिंदी (ब)
विषय कोड—085
प्रश्न-पत्र कोड--4/4/1

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है|

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 40 (उदाहरण 0--40 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन'में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
    1. उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
    2. उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
    3. उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
    4. उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
    5. आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
    6. योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
    7. उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
    8. कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
    9. उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

MARKING SCHEME

Secondary School Examination TERM–II, 2022

HINDI B (Subject Code–085)

[Paper Code : 4/4/1]

Maximum Marks : 40

सामान्य निर्देश :

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. इस प्रश्नपत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे, तो उसे पूर्ण अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

Q. No.	EXPECTED ANSWER / VALUE POINTS	Marks
	खंड—क **(वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत)**	
1.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में अपेक्षित -	2×2=4
	(क) क्यों- • हम सभी एक परमपिता परमेश्वर की संतान हैं और इस दृष्टि से हम सब एक-दूसरे के भाई-बंधु हैं। • बिना किसी भेद-भाव के, जीवन-मार्ग पर मिल-जुल कर आगे बढ़ सकें • जो भी विपत्तियाँ, विघ्न-बाधाएँ राह में आएँ, उनका सामना कर सकें लाभ- • मनुष्यता का विकास • एक साथ चलने से ही समाज और देश की उन्नति संभव	1+1
	(ख) • वृक्ष पर्वतों की उच्चाकांक्षाओं के प्रतीक • जिस प्रकार हर मनुष्य के मन में आगे बढ़ने और ऊँचा उठने की आकांक्षाएँ होती हैं, उसी प्रकार पर्वत भी वृक्षों के माध्यम से आकाश को छूना चाहते हैं।	2
	(ग) आशय- • 'इस जश्न' का आशय- दुश्मनों से युद्ध • युद्धभूमि में देश के लिए लड़ना कारण- • दुश्मन को हराने के बाद जीत का जश्न मनाना	1+1
		4

2.	किसी एक प्रश्न का उत्तर 60-70 शब्दों में अपेक्षित – (क) पूर्णतः सत्य है क्योंकि- • तनावग्रस्त जीवन, व्यस्ततम जीवन शैली, प्रतिस्पर्धा, मानसिक रोग • वर्तमान ही सत्य है • भूत और भविष्य में उलझे रहना तर्क- • जीवन की क्षणभंगुरता • वर्तमान का सही उपयोग • वर्तमान में जीना (ख) • सहमत • इतिहास में अनेक घटनाएँ हैं जहाँ आपसी फूट के कारण विदेशी ताक़तों ने भारत पर शासन किया • वज़ीर अली और सआदत अली के बीच की आपसी फूट से ही अवध पर अंग्रेजों का अधिकार • स्वार्थी, लालची और देशद्रोहियों के कारण	4×1=4 2+2 4 4
3.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - (क) • बुजुर्गों को बोझ समझना • समय न देकर उन्हें अकेलेपन से जूझने के लिए छोड़ देना उदाहरण- • हरिहर काका को समय पर भोजन न देना • बीमारी में उनकी देखभाल न करना • संपत्ति के लिए प्रताड़ित करना • गाँव के लोगों का तमाशबीन बने रहना • महंत का हरिहर काका की सहायता न कर उनकी ज़मीन के लालच में उनका अपहरण तक करना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	3×2=6 3

	(ख) • पुरानी पुस्तकों की गंध से नई कक्षा का उत्साह फीका पड़ जाना • अगली कक्षा की कठिन पढ़ाई • नए मास्टरों द्वारा छात्रों के साथ किया जाने वाला कठोर व्यवहार • अभिभावकों द्वारा पढ़ाई के प्रति उदासीनता (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	(ग) • 'हरिहर काका' और 'टोपी शुक्ला' दोनों की भावनाओं को समझने वाला कोई नहीं था। सुझाव- • अपनी रुचि के कार्यों में व्यस्त रहना, खेलना, किताब पढ़ना, गीत गाना, नृत्य करना व कोई वाद्ययंत्र बजाना आदि • लोगों से मिलना, नए मित्र बनाना, बात-चीत करना, घूमना-फिरना आदि	3
	(अन्य उपयुक्त सुझाव भी स्वीकार्य)	6
	खंड—ख	
4.	दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन भूमिका 1 अंक विषयवस्तु 4 अंक भाषा 1 अंक	6
5.	पत्र-लेखन (120 शब्द) आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 अंक विषयवस्तु 3 अंक भाषा 1 अंक	5
6.	सूचना लेखन (50 शब्द) (क) और (ख) प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक सूचना लगभग 50 शब्दों में (2½ अंक की सूचना की जाँच के लिए अंक विभाजन) प्रारूप ½ अंक विषयवस्तु 1½ अंक भाषा ½ अंक	2½×2=5

7.	विज्ञापन लेखन (क) और (ख) प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2½ अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन) विषयवस्तु 1 अंक प्रस्तुति 1 अंक भाषा ½ अंक	2½×2=5
8.	लघुकथा-लेखन (शब्द-सीमा लगभग 120 शब्द) विषयवस्तु 2 अंक प्रस्तुति 2 अंक भाषा 1 अंक	5

* * *